सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 115 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 29 मई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

आप मित्र बदल सकते हैं पर पडोसी नहीं।
-अटल बिहारी वाजपेयी

भारत ने शुरू की टी-20 विश्वकप... 7 | यूपी-बिहार में इंडिया गठबंधन... 3 | 4 जून के बाद मन की नहीं संविधान... 2

मणिशंकर के बयान ने फिर बढ़ाया सियासी तापमान

» 1962 के चीन युद्ध को कथित आक्रमण कहने पर मचा बवाल

» भाजपा ने कांग्रेस को घेरा बोली- चीन से प्यार क्या दर्शाता है

» अय्यर ने माफी मांगी कांग्रेस ने किया किनारा

» जयराम बोले- मूल कथन को गलत तरीके से बताया गया

» पाकिस्तानी नेता फवाद चौधरी के बेतुके बयान पर मचा घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अंतिम दौर का चुनाव 1 जून को है। अब प्रचार में मात्र एक दिन शेष रह गया है, पर नेताओं के सियासरी बयानबाजी में कोई कमी नहीं आ रही। अब कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर को 1962 में चीन की तरफ से हमले पर भी शक की बात पर बवाल मच गया है। हालांकि उनके बयान पर कांग्रेस ने किनारा भी कर लिया और कांग्रेस नेता ने माफी भी मांग ली। चूकि चुनाव चल रहे हैं ऐसे में उनके बयान को बीजपी ने तुरंत लपक लिया और कांग्रेस पर निशाना साध लिया। बीजेपी ने ये बयान उनकी निर्लज्जता को दर्शाता है। वहीं कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मणिशंकर अय्यरने बाद में गलती से और कथित आक्रमण शब्द का इस्तेमाल करने के लिए स्पष्ट रूप से माफी मांगी है। पार्टी मूल शब्दावली से खुद को अलग करती है। दरअसल,कांग्रेस के सीनियर नेता मणिशंकर अय्यर ने 1962 में हुए चीन के आक्रमण के लिए गलती से कथित शब्द का इस्तेमाल करने के लिए माफी मांगी।

देश के आम चुनाव में पाकिस्तान एक चुनावी मुद्दा बना हुआ है। वहीं, चुनाव के बीच पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी हुसैन भी लगातार भारतीय राजनेताओं को लेकर टिप्पणी करते रहे हैं। उन्होंने एक बार फिर लोकसभा चुनाव और पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर बयान दिया है। राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल की तारीफ करने वाले फवाद चौधरी ने कहा है कि पाकिस्तान में हर व्यक्ति चाहता है की मोदी चुनाव हार जाएं।

रिवीजनिज्म का एक निर्लज्ज प्रयास : अमित मालवीय

बीजेपी के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने अय्यर की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने 'एक्स पर पोस्ट किया, ''मणिशंकर अय्यर ने नेहरूज फर्स्ट रिकूट्स नामक पुस्तक के विमोचन के दौरान एकसीसी में बोलते हुए 1962 में चीनी आक्रमण को 'कथित बताया। यह 'रिवीजनिज्म का एक निर्लज्ज प्रयास है। उन्होंने आरोप लगाया, ''नेहरू ने चीन के पक्ष में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट पर भारत का दावा छोड़ दिया, राहुल गांधी ने एक गुप्त समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, राजीव गांधी फाउंडेशन ने चीनी दूतावास से धन लिया और चीनी कंपनियों के लिए बाजार पहुंच की सिफारिश करते हुए रिपोर्ट प्रकाशित की, उनके आधार पर, सोनिया गांधी की संप्रग ने चीनी सामानों के लिए भारतीय बाजार खोल दिया, जिससे एमएसएमई को नुकसान पहुंचा और अब कांग्रेस नेता अय्यर चीनी आक्रमण पर लीपा-पोती करना चाहते हैं।

गलती के लिए माफी मांगता हूं : मणिशंकर

फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब में एक कार्यक्रम के कथित वीडियो के मुताबिक, अय्यर ने एक किस्सा सुनाते हुए कहा,अक्टूबर 1962 में, चीनियों ने कथित तौर पर भारत पर आक्रमण किया। अय्यर ने अपने बयान के लिए अब माफी मांगी है। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा, आज शाम 'चीनी आक्रमण से पहले गलती से 'कथित शब्द का इस्तेमाल करने के लिए मैं पूरी तरह से माफी मांगता हूं। पहले भी अपनी टिप्पणियों से विवादों को जन्म दे चुके अय्यर ने यह टिप्पणी एक पुस्तक ''नेहरूज़ फर्स्ट रिकूट्स के विमोचन के मौके पर की।

मोदी ने पाक नेताओं की टिप्पणी पर जताई चिंता

बता दें कि हाल ही में पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव के बीच पाकिस्तानी नेता फवाद चौधरी के बयानों पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ये जांच का विषय है कि पाकिस्तान के नेता हमारे देश के विपक्षी नेताओं की तारीफ क्यों कर रहे हैं।

उनकी उम्र को ध्यान में रखा जाना चाहिए : जयराम

इस विवाद के मद्देनजर जयराम रमेश ने सफाई दी, ''उनकी (अय्यर की) उम्र को ध्यान में रखा जाना चाहिए। कांग्रेस उनके मूल कथन से खुद को अलग करती है। रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर मई 2020 में चीन की घुसपैठ के लिए उसे क्लीन चिट देने का भी आरोप लगाया।

केजरीवाल को झटका, 2 जून को करना होगा सरेंडर

» सुप्रीम कोर्ट ने नहीं स्वीकारा अंतरिम जमानत बढ़ाने के लिए तुरंत सुनवाई का अनुरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। यहां की रजिस्ट्री ने जमानत अवधि को सात दिन बढ़ाने की तुरंत सुनवाई की अपील खारिज कर दी है। अब केजरीवाल को दो जून को सरेंडर करना होगा। दिल्ली शराब नीति घोटाले में जमानत पर बाहर चल रहे दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत अवधि बढ़वाने की याचिका पर एक दिन पहले जल्द सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा था कि जब जस्टिस दत्ता की पीठ पिछले हफ्ते बैठी हुई थी, तब याचिका क्यों दायर नहीं की गई थी? दिल्ली सीएम ने स्वास्थ्य आधार पर अपनी जमानत अवधि को सात दिन बढ़वाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की थी।

कोर्ट की टिप्पणी

केजरीवाल ने उनका वजन अचानक छह से सात किलोग्राम कम हो जाने के कारण कई चिकित्सकीय जांच कराने के लिए उच्चतम न्यायालय से अंतरिम जमानत की अवधि सात दिन बढ़ाने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अवकाश पीठ ने केजरीवाल की अंतरिम याचिका को स्वयं सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया था और मुख्यमंत्री की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से पूछा था कि याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए पिछले सप्ताह तब क्यों इसका उल्लेख नहीं किया गया।

बीजेपी नेता के काफिले की स्कॉर्ट गाड़ी ने दो लोगों को रौंदा, मौत

» सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह की फॉर्च्यूनर से हुआ हादसा

» लोगों में आक्रोश, स्वास्थ्य केंद्र का किया घेराव, मौके पर फोर्स तैनात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा में अनियंत्रित बीजेपी नेता के काफिले की फॉर्च्यूनर गाड़ी ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। अन्य दो राहगीर गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिस फॉर्च्यूनर गाड़ी से हादसा हुआ है वह कैसरगंज लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी करण भूषण सिंह के काफिले में शामिल थी।

बाइक सवार दो युवकों की मौत

टक्कर के बाद गाड़ी के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद गाड़ी में सवार सभी लोग भाग गए. घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने हादसे का शिकार हुए सभी लोगों को स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने बाइक सवार रेहन खान और शहजाद खान को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल सीता देवी को रेफर किया गया है। मृतको के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

गाड़ी पर पुलिस स्कॉर्ट लिखा हुआ है। हादसे में काफिले में शामिल फार्च्यूनर गाड़ी भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं, गाड़ी के एयरबैग खुल गए। मौके से काफिले में शामिल सभी लोग फरार हो गए, घटना से लोगों में गुस्सा पनप गया। आक्रोशित लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का घेराव कर दिया। मौके पर भारी पुलिस फोर्स बुलाया गया है। हादसे की खबर मिलते ही मृतको के परिवार में कोहराम मच गया।

काफिले की गाड़ी हुई थी अनियंत्रित

भीषण हादसा कर्नलगंज थानाक्षेत्र के हुजूरपुर-बहराइच रेलवे क्रॉसिंग के पास हुआ है। बुधवार की सुबह कैसरगंज लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी व मौजूदा बीजेपी सांसद बृज भूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह के काफिले में शामिल पुलिस स्कॉर्ट लिखी फॉर्च्यूनर गाड़ी अनियंत्रित हो गई। तेज रफ्तार गाड़ी ने बाइक में टक्कर मार दी। बाइक पर दो युवक सवार थे। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार दोनों युवक कई मीटर दूर जा गिरे। गाड़ी की चपेट में दो राहगीर भी आ गए।

4 जून के बाद मन की नहीं संविधान की बात होगी: अखिलेश

बोले- कांग्रेस और सपा जुड़कर एक और एक ग्यारह, डबल इंजन सरकार का निकल गया धुंआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवरिया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनावी प्रचार में एकबार फिर बीजेपी को आड़े हाथों लिया। उन लोगों ने कहा कि ये चुनाव हमारा आपका तो है ही, ये भविष्य की पीढ़ी का चुनाव है और ये चुनाव संविधान बचाने का चुनाव है। ये संविधान हमारी संजीवनी है। रोटी कपड़ा और मकान, सबसे पहले बचाना है संविधान। उन्होंने कहा कि 4 तारीख को खुशियों के दिन आएंगे, प्रेस वालों के भी खुशियों के दिन आएंगे। मित्र मंडली तो बदलेगी ही बदलेगी, मंत्री मंडल और मीडिया मंडल भी बदलेगा। जो सुनाते रहे मन की बात, अब होगी संविधान की बात।

उत्तर प्रदेश के देवरिया में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जुड़कर एक और एक ग्यारह हो गए हैं। इनकी डबल इंजन सरकार का देवरिया आते-आते धुंआ निकल जाता है। उन्होंने कहा कि जहां बीजेपी सरकार में किसानों की आय दोगुनी करने का झूठा सपना दिखाया गया, वहीं नौजवानों के परीक्षा पेपर लीक हो गए। उन्होंने कहा कि खुद को डबल इंजन कहने वालों के इंजन का कुशीनगर में आते आते धुआं क्यों निकल जाता है? ना कोई सड़क बना पाए, जो सड़के बनी हुई थी गड्ढे हो गए। अखिलेश ने कहगा कि बीजेपी ने पिछड़ों, दलितों आदिवासियों का आरक्षण छीना है। यही दलित और आदिवासी लोग सामान्य मेरिट में आ जाते थे, जनरल में नौकरी मिल जाती थी लेकिन अब इनको जनरल में नौकरी नहीं मिलती। जो 50 परसेंट हैं उसी में ईडब्ल्यूएस भी है, धर्म भी है, तो आप विचार करिए धर्म के आधार पर किसने किसको कितना आरक्षण दिया है।

कांग्रेस ने राहुल और अखिलेश की बातचीत का वीडियो किया शेयर

कांग्रेस ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव की फूलपुर रैली का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें राहुल गांधी अखिलेश यादव से सवाल पूछते दिख रहे हैं कि मुलायम सिंह यादव के बारे में बताइए। आपने उनसे क्या सीखा है? इस सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा, नेताजी जमीनी राजनीति करते रहे, हालांकि, नेताजी ने कुश्ती, पहलवानी भी की। लेकिन मैं कुश्ती नहीं कर पाया जीवन में, क्योंकि मैं स्कूल चला गया, नेताजी को धरती पुत्र इसलिए बोले गए, क्योंकि वे जमीन की बात को समझते थे। अखिलेश राहुल गांधी से कहते हैं कि आपका इस क्षेत्र (इलाहाबाद) से आज का लगाव नहीं है, ना जाने कितने सालों पुराना लगाव है और किसी राजनीतिक परिवार का लगाव ऐसा नहीं होगा। राम मनोहर लोहिया ने गैर बराबरी की लड़ाई यही लड़ी थी। अखिलेश यादव ने कहा, हमारे व्यक्तिगत और सिद्धांत को लेकर समझौते नहीं हुए।

सातवें चरण में जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सातवें चरण का चुनाव है और जनता का गुस्सा भी सातवें आसमान पर पहुंच गया है। जिन लोगों ने झूठी बातें और झूठे वादे किए हैं वो आज जनता के सामने डगमगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन और समाजवादी पार्टी ने तय किया है ना केवल सरकारी नौकरियां दी जाएगी, आरक्षण के तहत आपको हक और सम्मान मिलेगा, अग्निवीर व्यवस्था हमेशा हमेशा के लिए खत्म की जाएगी। 4 जून के बाद सरकार बनेगी तो राशन की मात्रा बढ़ेगी, गुणवत्ता बढ़ेगी, राशन के साथ साथ आटा और डाटा देने का काम होगा।

केंद्र में कांग्रेस की सरकार के दौरान महंगाई अधिक थी: राजनाथ सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि केंद्र में जब भी कांग्रेस की सरकार रही, महंगाई अधिक थी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की बेरोजगारी दर बड़े देशों की तुलना में सबसे कम है। पंजाब के फिरोजपुर लोकसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने दिल्ली की अरविंद केजरीवाल नीत सरकार की भी आलोचना की और कहा कि उनके शासन में राष्ट्रीय राजधानी की गली-गली में शराब के ठेके खोल दिए गए।

कांग्रेस पर हमला करते हुए, सिंह ने कहा कि 1947 से 1950 तक मुद्रास्फीति की दर दो प्रतिशत थी और यह (जवाहरलाल) नेहरू के शासनकाल में ही बढ़कर 10.8 प्रतिशत हो गई। 1964-66 में यह 10 प्रतिशत से अधिक थी। उन्होंने कहा कि मोरारजी देसाई सरकार के दौरान सबसे पहला काम एक राज्य से दूसरे राज्य में कृषि उपज की आवाजाही पर प्रतिबंध हटाना था। सिंह ने दावा किया कि इसके परिणामस्वरूप, मुद्रास्फीति की दर, जो 10 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, घटकर 7 प्रतिशत पर आ गई।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, 1947 से 2022 तक, यदि आप मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर गौर करें, तो पाएंगे कि जब भी कांग्रेस सत्ता में रही, यह कई गुना बढ़ गई। उन्होंने कहा, जब वह सत्ता से बाहर हुई तो महंगाई कम हो गई। विपक्ष बेरोजगारी और महंगाई पर झूठ फैला रहा है। उनका कहना है कि भाजपा शासन के दौरान महंगाई बढ़ी है। हमारे प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने काफी हद तक महंगाई पर काबू पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि फिर भी, विपक्षी दलों ने झूठ फैलाया। सिंह ने आम आदमी पार्टी (आप) और उसके राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, (दिल्ली के मुख्यमंत्री के तौर पर) केजरीवाल के कार्यकाल में राष्ट्रीय राजधानी की गली-गली में शराब के ठेके खोले गए। रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि आप शासित पंजाब में गुंडागर्दी, मादक पदार्थों का कारोबार, हेरोइन की तस्करी हो रही है।

चुनाव के बाद नीतीश एक बार फिर पलटी मारेंगे: तेजस्वी यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बोले- मोदी सत्ता में वापस नहीं आएंगे

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद)नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक बार फिर पलटी मारने की भविष्यवाणी करते हुए दावा किया कि लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद जनता दल यूनाइटेड (जदयू) अध्यक्ष एक बड़ा फैसला ले सकते हैं।

उन्होंने कहा, हमारे चाचा (जदयू प्रमुख नीतीश कुमार) पिछड़ों की राजनीति और पार्टी बचाने के लिए कोई भी बड़ा फैसला चार जून के बाद ले सकते हैं। नीतीश कुमार के महागठबंधन से नाता तोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)में चले जाने के कारण तेजस्वी यादव को इस साल जनवरी में उप मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देना पड़ा था। यह पूछे जाने पर कि क्या वह जदयू अध्यक्ष के साथ फिर से गठबंधन करेंगे तेजस्वी ने यादव ने कहा, यह बाद में देखा जाएगा। तेजस्वी ने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सत्ता में वापस नहीं आएंगे। राजद नेता ने कहा, मोदी हार गए हैं। वह चार जून के बाद प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। देश में एक नई सरकार होगी, जो रोजगार सृजन की बढ़ती जरूरत के प्रति संवेदनशील होगी। पिछले एक दशक में नीतीश कुमार ने दो मौकों पर भाजपा से नाता तोड़ तेजस्वी यादव के पिता लालू प्रसाद के नेतृत्व वाली राजद के साथ गठबंधन किया।

मोदी ने संसद को गहरे अंधेरे कुएं में तब्दील किया: डेरेक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओब्रायन ने कहा कि निवर्तमान लोकसभा में कई चीजें पहली बार हुईं। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर संसद को एक गहरे, अंधेरे कुएं में तब्दील कर देने का आरोप लगाया। राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल के नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह पहला मौका है जब कोई डिप्टी स्पीकर नियुक्त नहीं किया गया और प्रधानमंत्री ने एक भी प्रश्न का उत्तर नहीं दिया।

उन्होंने कहा, श्रीमान नरेन्द्र मोदी, चूंकि आज आप मेरे शहर में हैं, इसलिए हमें बताएं कि आपने क्यों संसद का मजाक बनाया और इसे एक गहरे अंधेरे कुएं में तब्दील कर दिया। तृणमूल नेता ने कहा, 17वीं लोकसभा को अलविदा। इस लोकसभा में कई चीजें पहली बार हुईं। ओब्रायन ने कहा कि बैठकों के मामले में, इसमें 1952 के बाद से सबसे कम दिन काम हुआ। उन्होंने कहा, इस लोकसभा में कोई डिप्टी स्पीकर नियुक्त नहीं किया गया। थिंक टैंक पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, 17वीं लोकसभा के पांच साल के कार्यकाल में 2019 से 2024 तक कुल 272 बैठकें हुईं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री (मोदी) ने सदन में एक भी प्रश्न का उत्तर नहीं दिया...राज्यसभा में (नियम 267 के तहत) चर्चा के लिए विपक्ष के किसी सदस्य का एक भी नोटिस स्वीकार नहीं किया गया। उन्होंने भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी का प्रत्यक्ष संदर्भ देते हुए कहा, सत्तापक्ष के एक सांसद को सदन में साम्प्रदायिक अपशब्दों का इस्तेमाल करने दिया गया।

ममता रोड शो में नौ किलोमीटर पैदल चली

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारो के समर्थन मे दमदम और कोलकाता मे दो रोड शो किए। बनर्जी इन रोड शो मे एक दिन मे लगभग नौ किलोमीटर पैदल चली। पहले रोड शो मे तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख बनर्जी पार्टी नेताओ और कार्यकर्ताओ के साथ बिराती बनिक मोड़ से जेसोर रोड पर हवाई अड्डे के गेट नंबर दो तक लगभग चार किलोमीटर तक पैदल चली। दमदम लोकसभा क्षेत्र मे रोड शो टीएमसी के वरिष्ठ नेता एवं उम्मीदवार सौगत रॉय के समर्थन मे आयोजित किया गया, जो इस सीट से लगातार चौथी बार चुनाव मैदान मे है। रोड शो मे रॉय के अलावा टीएमसी मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य और सुजीत बोस भी बनर्जी के साथ थे। वही, दक्षिण कोलकाता मे शहर के मेयर एवं मंत्री फिरहाद हकीम बनर्जी के साथ पैदल चले। दूसरे रोड शो मे, बनर्जी एंटली मार्केट से दक्षिण कोलकाता मे बालीगंज फारी तक लगभग पांच किलोमीटर पैदल चली। इस तरह से बनर्जी एक ही दिन मे कुल लगभग नौ किलोमीटर पैदल चली। यह रोड शो कोलकाता दक्षिण से टीएमसी उम्मीदवार माला रॉय के समर्थन मे था, जो निर्वाचन क्षेत्र से दूसरी बार चुनाव मैदान मे है। साथ ही यह रोड शो कोलकाता उत्तर से उम्मीदवार सुदीप बंदोपाध्याय के लिए भी था, जो इस सीट से लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ रहे है।

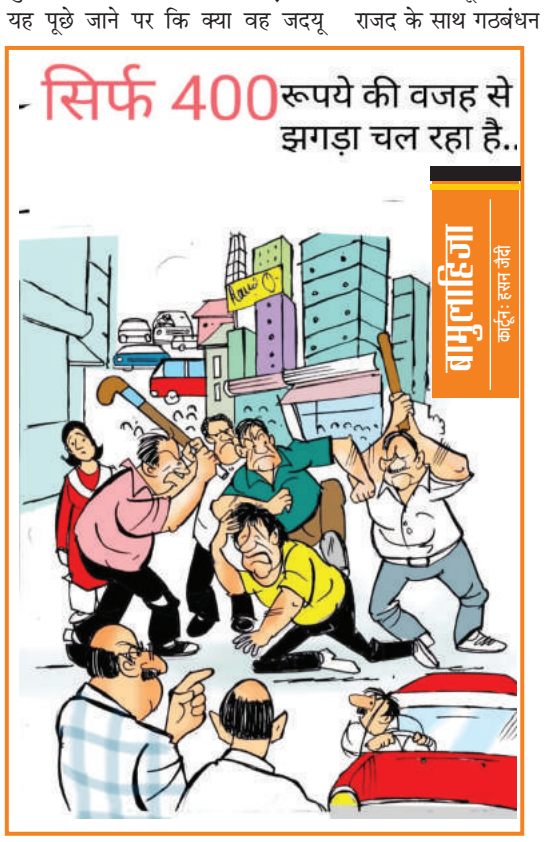

जम्मू कश्मीर में गलत तरीके से जीतेगी बीजेपी: जामवाल

सोशियो पॉलीटिकल एक्टिविस्ट का दावा आधार खो चुकी है मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। चुनाव यात्रा के दौरान एक मीडिया हाउस से बात करते हुए जम्मू-कश्मीर के सोशियो पॉलीटिकल एक्टिविस्ट प्रताप सिंह जामवाल ने कहा कि ईडी, सीबीआई और इलेक्शन कमीशन समेत तमाम संस्थाओं का दुरुपयोग करके भारतीय जनता पार्टी निश्चित रूप से सत्ता में वापस लौटेगी।

जम्मू कश्मीर को लेकर एक्टिविस्ट ने कहा कि राज्य से बीजेपी की जमीन पूरी तरह खिसक चुकी है। इसलिए पार्टी ने यहां से किसी भी उम्मीदवार को चुनाव में खड़ा नहीं किया है। जामवाल ने आरोप लगाया कि देश की सत्ता गलत हाथों में चली गई है। जिससे विभिन्न सरकारी मशीनरियों का दुरुपयोग चुनाव में किया जा रहा है। पॉलीटिकल एक्टिविस्ट ने दावा किया कि अपनी हार के डर के कारण ही राज्य में विधानसभा के चुनाव करवाने में सरकार द्वारा देरी की जा रही है।

राज्य में बढ़े हुए मतदान प्रतिशत को लेकर प्रताप सिंह जामवाल ने दावा कि मतदान का प्रतिशत भारतीय जनता पार्टी की चुनाव में की गई धांधली को प्रदर्शित कर रहा है। साथ ही उन्होंने धारा 370 हटाने को लेकर भी मोदी सरकार पर हमला बोला।

यूपी-बिहार में इंडिया गठबंधन मचाएगा धमाल!

राजद-सपा-कांग्रेस का दावा यहां बीजेपी हो जाएगी साफ

- बंगाल-ओडिशा से बीजेपी की बढ़ी उम्मीद
- तेजस्वी-अखिलेश व राहुल का पूर्वांचल का ताबड़तोड़ दौरा
- मोदी ने पूर्वी भारत में झोंकी ताकत
- महाराष्ट्र में हो सकता है सियासी खेल
- ओडिशा में भाजपा की बड़े लाभ पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लगता है 4 जून को पूर्वी भारत से लोक सभा चुनाव में कुछ रहस्मयी होने वाला है। ऐसी चर्चा चल रही है कि सत्ता में बैठी बीजेपी-राजग सरकार पूर्वी भारत के दो प्रमुख प्रदेश पश्चिम बंगाल व ओड़िशा को लेकर कुछ ज्यादा ही सक्रिय है। ऐसा लगता है कि उसे आभास हो या है कि पूर्वी यूपी व बिहार में उसे राजद-कांग्रेस व सपा-कांग्रेस से जोर का झटका लग सकता है। इसलिए भाजपा के शीर्ष नेता इन दोनों राज्यों में जोर लगाए हुए है। प्रधानमंत्री मोदी कई बार इन राज्यों में आकर विपक्ष को तो असहज कर ही रहं हैं।

हालांकि विपक्ष भी पीएम के दौरो को लेकर बस इतना कह रहा है कि इससे कुछ नहीं होगा। यूपी में सपा व बिहार में राजद ने कांग्रेस के साथ मिलकर मोदी सरकार को घेरना शुरू कर दिया है ऐसे में चर्चा है कि तेजस्वी व अखिलेश के दम के यूपी व बिहार बीजेपी को भारी नुकसान होरा है। उधर महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन अपने को मजबूत बता रहा है जबकि बीजेपी इसको सिरे से खारिज कर रही है। वहीं प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भविष्यवाणी की है कि 4 जून को जब लोकसभा और विधानसभा चुनाव के नतीजे आएंगे, तो ओडिशा में नवीन पटनायक के नेतृत्व वाले बीजू जनता दल की समाप्ति तिथि होगी। और विधानसभा चुनाव के नतीजे आएंगे, तो ओडिशा में नवीन पटनायक के नेतृत्व वाले बीजू जनता दल की समाप्ति तिथि होगी। ओडिशा अपनी 21 लोकसभा सीटों और 147 विधानसभा क्षेत्रों के लिए चार चरणों में एक साथ मतदान करा रहा है। ओडिशा में 15 लोकसभा सीटों और 105 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान पूरा होने के साथ, सत्तारूढ़ बीजद और विपक्षी भाजपा दोनों ने दावा किया है कि वे सरकार बनाने के लिए पूर्ण बहुमत हासिल कर लेंगे।

पीएम मोदी ने कहा, मैंने कहा है कि मौजूदा ओडिशा सरकार की समाप्ति तिथि 4 जून है और 10 जून को बीजेपी के सीएम ओडिशा में शपथ लेंगे। ओडिशा में भाजपा के लिए बड़े लाभ पर नजर रखते हुए, पीएम मोदी ने कहा है कि वह राज्य की सत्तारूढ़ बीजू जनता दल के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर की उच्च तीव्रता देख रहे हैं, जिससे क्षेत्रीय पार्टी के लिए अस्तित्व में रहना बहुत मुश्किल हो गया है। पीएम मोदी ने कहा कि लोगों ने ओडिशा में बदलाव का मन बना लिया है, जहां संसदीय चुनावों के साथ-साथ विधानसभा चुनाव भी हो रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और बीजद दोनों ने ओडिशा में आगामी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने का फैसला किया है, जिससे उनके गठबंधन के पुनर्जीवित होने की सभी अटकलें खत्म हो गई हैं। नई दिल्ली और भुवनेश्वर के बीच 17 दिनों तक चली बातचीत के गतिरोध में समाप्त होने के बाद, भाजपा के ओडिशा अध्यक्ष मनमोहन सामल ने शुक्रवार को घोषणा की कि प्रस्तावित गठबंधन खत्म हो गया है। असफल गठबंधन के बारे में बात करते हुए पीएम ने कहा, भारत के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ हमारे अच्छे संबंध हैं और लोकतंत्र में हमारी कोई दुश्मनी नहीं है. अब सवाल यह है कि क्या मुझे अपने रिश्ते बनाए रखने चाहिए या ओडिशा के भाग्य की चिंता करनी चाहिए मैंने खुद को ओडिशा के उज्वल भविष्य के लिए समर्पित करने का फैसला किया और अगर इसके लिए मुझे अपने रिश्तों का बलिदान देना पड़ा, तो मैं उनका बलिदान करूंगा और चुनाव के बाद, मैं सभी को समझाऊंगा कि मेरी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है।

महाराष्ट्र में सीटों को लेकर गुत्थम-गुत्था

मुंबई में पार्टी की एक बैठक में बोलते हुए, भुजबल ने कहा कि एनसीपी को मौजूदा लोकसभा चुनावों में लड़ने के लिए बहुत कम सीटें मिलीं और वे 2024 में राज्य चुनावों में अधिक सीटें चाहते हैं। हम गठबंधन (भाजपा-शिवसेना) में शामिल हुए, तो हमें विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 80 से 90 सीटें मिलने का आश्वासन दिया गया था। महाराष्ट्र के मंत्री और वरिष्ठ राकांपा नेता छगन भुजबल ने 27 मई को इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के लिए 80 से 90 सीटों की मांग की, जिस पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और अधिक सीटों पर लड़ेंगे। राज्य में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ एनसीपी और बीजेपी सहयोगी हैं। तीनों ने एनडीए की छत्रछाया में मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ा है। मुंबई में पार्टी की एक बैठक में बोलते हुए, भुजबल ने कहा कि एनसीपी को मौजूदा लोकसभा चुनावों में लड़ने के लिए बहुत कम सीटें मिलीं और वे 2024 में राज्य चुनावों में अधिक सीटें चाहते हैं। हम

गठबंधन (भाजपा-शिवसेना) में शामिल हुए, तो हमें विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 80 से 90 सीटें मिलने का आश्वासन दिया गया था। हालाँकि, इस लोकसभा चुनाव में हमें लड़ने के लिए बहुत कम सीटें मिलीं। हमें उन्हें (भाजपा) बताना चाहिए कि हम अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं ताकि हम लगभग 50 से 60 सीटें जीत सकें। 2019 के विधानसभा चुनाव में राज्य की 288 सीटों में से बीजेपी ने 105 सीटें जीती थीं, जबकि अविभाजित एनसीपी को 54 सीटें मिली थीं। अगर हमें पार्टी के मौजूदा विधायकों की संख्या के कारण चुनाव लड़ने के लिए 50 सीटें मिलती हैं, तो वास्तव में उन 50 में से कितने निर्वाचित होंगे। सूत्रों के मुताबिक, सीटों का बंटवारा लोकसभा चुनाव नतीजों के स्ट्राइक रेट के आधार पर किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि पार्टी का स्ट्राइक रेट जितना अधिक होगा, उसे उतनी अधिक सीटें मिलेंगी। 4 जून को नतीजे घोषित होने के बाद महायुति की तीनों पार्टियों के प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा। शिवसेना ने एनसीपी से लोकसभा चुनाव नतीजों का इंतजार करने को भी कहा है। भुजबल की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, फडणवीस ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और इस चुनाव में अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि हालांकि, सीट-बंटवारे के फॉर्मूले को तीनों दलों के नेताओं की बैठक और चर्चा के बाद ही अंतिम रूप दिया जाएगा।

बंगाल में बीजेपी को मिल रही सबसे ज्यादा सफलता : मोदी

पीएम मोदी ने कहा टीएमसी पार्टी बंगाल चुनाव में अस्तित्व के लिए लड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव से पहले हम 3 थे। पश्चिम बंगाल के लोगों ने पिछली बार हमें 80 सीटें दी थीं। इस बार, भारत में

सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला राज्य पश्चिम बंगाल होने जा रहा है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी को सबसे ज्यादा सफलता मिल रही है. पश्चिम बंगाल का चुनाव एकतरफा चल रहा है और टीएमसी बौखलाई हुई है और बीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमले हो रहे हैं इन सबके बावजूद, लोग बड़ी संख्या में मतदान कर रहे हैं। 2010 के बाद पश्चिम बंगाल में जारी किए गए सभी ओबीसी प्रमाणपत्रों को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले के बारे में पूछे जाने पर, प्रधान मंत्री ने कहा कि विपक्ष वोट बैंक की राजनीति के फैसले के बाद यायपालिका का दुरुपयोगकर रहा है। उन्होंने कहा,उनके पास एक कार्यप्रणाली है। सबसे पहले, उन्होंने आंध्र प्रदेश में एक कानून बनाकर इसे अल्पसंख्यकों को देने का पाप शुरू किया, वे सुप्रीम कोर्ट में हार गए और उच्च न्यायालय ने इसे खारिज कर दिया क्योंकि संविधान इसकी अनुमति नहीं देता है। इसलिए उन्होंने चतुराई से शुरुआत की। उन्होंने कहा पिछले दरवाजे से खेल और इन लोगों ने रातों-रात मुस्लिम की सभी जातियों को ओबीसी बना दिया और ओबीसी से उनका हक छीन लिया...जब हाई कोर्ट का फैसला आया तो साफ हो गया कि इतना बड़ा फर्जीवाड़ा हो रहा है इससे भी अधिक दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि वोट बैंक की राजनीति के लिए, अब वे न्यायपालिका का भी दुरुपयोग कर रहे हैं... यह स्थिति किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती है।

चुनावों में मोदी के प्रचार पर टीएमसी का प्रहार

1 जून को होने वाली विपक्षी भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन ब्लॉक के नेताओं की बैठक की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है क्योंकि सभी सहयोगियों की उपस्थिति पर संदेह बना हुआ है। मामले से वाकिफ लोगों के मुताबिक, अपने सहयोगियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित बैठक ऑनलाइन भी हो सकती है। कांग्रेस के एक शीर्ष नेता ने मंगलवार को एचटी को बताया कि गठबंधन के भीतर एक महत्वपूर्ण वर्ग अब चाहता है कि तारीख बदल दी जाए, क्योंकि ब्लॉक की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने घोषणा की है कि वह आने में सक्षम नहीं होगी। इंडिया ब्लॉक का दूसरा सबसे बड़ा घटक दल टीएमसी, पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण और चक्रवात रेमल के बाद राहत कार्यों के कारण 1 जून को दिल्ली में गठबंधन की आगामी बैठक में शामिल नहीं होने वाला है। इंडिया ब्लॉक गठबंधन के दो वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, जिसमें 26 पार्टियां शामिल हैं, बैठक एग्जिट पोल पर रणनीति बनाने के लिए बुलाई गई है, जो शनिवार को आखिरी दौर के मतदान के बाद सामने आएंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को लोकसभा चुनाव में पार्टी के अभियान के दौरान नरेंद्र मोदी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता नहीं बल्कि प्रधानमंत्री करार दिए जाने पर आपत्ति जताई। मोदीजी को प्रचार करने का पूरा अधिकार है। उन्हें यहां आकर चुनाव कार्यक्रमों में हिस्सा लेने का पूरा अधिकार है. लेकिन मैं यह देखकर आश्चर्यचकित हूं कि उनकी पार्टी के प्रचार विज्ञापनों में उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में संदर्भित किया गया है।

- पीएम क्यों कहा जाना चाहिए, के प्रचार विज्ञापनों को लेकर ममता ने उठाए सवाल

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

युवा हित की बातें कब बनेंगे चुनावी मुद्दे!

बार-बार सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियां गिनाता रहता है। कभी शेयर बाजार में तेजी तो कभी हर महीने के अंत में जीएसटी संग्रह बढ़ने का बखान करता रहता है। साथ ही जीडीपी बढ़ने की बात भी जोर-शोर से उठाता है पर अफसोस इन सबके बावजूद खुशहाली सबके हिस्से में नहीं दिखती है। खासतौर से नौकरी की चाह रखने वाले युवा वर्ग के लिए दिन गिनने मुश्किल हो रहे हैं। विभिन्न रिर्पोटों में बेरोजगारी की दर बढ़ने का जिक्र होता रहता है। सरकारों के कान पर जूं तक नहीं रेंकती है। विपक्ष में बैठे नेता तो चुनावों में बेरोजगारी का मुद्दा उठा भी रहे हैं पर सत्ता से जुड़े लोग आंख मूंद कर यह जताने की कोशिश कर रहे हैं कि सब ठीक है जबकि वो भी हकीकत जान रहे हैं। अब चुनाव अंतिम चरण में पहुंच गए हैं इसलिए अब इस तरह मुद्दे उठाने से उतना लाभ नहीं होगा जितना पहले ही चरण में उठाने से होते।

ऐसे में नेताओं को समझना चाहिए कि युवा देश के लिए एक जरूरी ऐसेट होते हैं जो देश की ताकत होते हैं। करीब 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले देश में इस समय 12 करोड़ युवा-युवतियां बतौर बेरोजगार पंजीकृत हैं। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के अनुसार अक्टूबर, 2023 में बेरोजगारी दर 29 माह के सर्वोच्च स्तर 10.05 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा 15 साल और उससे अधिक आयुवर्ग का है। यह हालात तब हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने 2022 में 6.5 लाख और 2023 में 10 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे हैं। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उन्होंने सांसदों के कामकाज की रिपोर्ट के लिए जो 13 सवाल पूछे हैं, उनमें एक सवाल रोजगार निर्माण का भी है। वैसे, अगस्त, 2023 में संसद में बताया गया था कि भारत सरकार में स्वीकृत 40 लाख से अधिक पदों में से 9.64 लाख पद खाली हैं। यह स्थिति तब थी, जब जून, 2023 तक कर्मचारी चयन आयोग और रेलवे भर्ती बोर्ड ने एक लाख से अधिक पदों पर उपयुक्त पात्रों की संस्तुति कर दी थी। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हाल में विधानसभा में बताया कि उनके यहां सितंबर, 2023 तक बेरोजगारी दर 5.2 रही, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह 6.6 प्रतिशत थी। कहा, इस दौरान पंजाब और हिमाचल प्रदेश में बेरोजगारी दर क्रमश: 8.8 और 14.5 प्रतिशत रही। पूरे देश में अगर रोजगार लोगों को मिले भी हैं तो उनको उनके काबिलियत के आधार पर मेहनताना नहीं मिल रहा है। ये भी एक समस्या है इस पर भी विचार करने की जरूरत है। लोगों को विश्वास है जो भी नई सरकार आएगी वह बेरोजगारी पर गंभीर होकर काम करेगी, और एक युवाओं के स्पष्ट नीति बनाएगी जिससे इस समस्या का समाधान निकाला जा सके।

“ खासतौर से नौकरी की चाह रखने वाले युवा वर्ग के लिए दिन गिनने मुश्किल हो रहे हैं। विभिन्न रिर्पोटों में बेरोजगारी की दर बढ़ने का जिक्र होता रहता है। सरकारों के कान पा जूं तक नहीं रेंकती है। विपक्ष में बैठे नेता तो चुनावों में बेरोजगारी का मुद्दा उठा भी रहे हैं पर सत्ता से जुड़े लोग आंख मूंद कर जताने की कोशिश कर रहे हैं कि सब ठीक है जबकि वो भी हकीकत जान रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चुनावी कोलाहल के बीच नए कश्मीर की आस

अमिताभ मट्टू

जम्मू और कश्मीर में चुनाव एक लोकतांत्रिक अनुष्ठान से कहीं अधिक है। प्रचलित कल्पना में, यहां का परिदृश्य तगड़ा प्रतीक रहा है-विश्वास और विश्वासघात का, विरोध और स्वीकार्यता, आशा और मोहभंग, भरोसा और अनिश्चितता का। लेकिन कश्मीर ने शायद ही कभी प्रतिस्पर्धात्मक लोकतांत्रिक प्रक्रिया का इतना प्रबल उत्सव देखा होगा जितना मौजूदा आम चुनाव में हो गुजरा। समूची नयनाभिराम घाटी में बड़ी-बड़ी चुनावी रैलियां और रोड शो हुए, जिनमें कश्मीर के अनेकानेक निर्भीक, भावुक, रंगीले और 'घड़ी में तोला घड़ी में माशा' मिज़ाज रखने वाले नेतागण इस चुनावी संग्राम में शामिल होकर उस व्यवस्था का निर्माण करने में जुट गए, जो वर्तमान में केंद्रशासित प्रदेश और पूर्व में पूर्ण राज्य रहे इस खित्ते के इतिहास में नया मोड़ लाने वाली हो सकती है।

अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद इस पहले संसदीय चुनाव में प्रचार का मुख्य मुद्दा 'विशेष प्रावधान' खत्म होना और सूबे का दर्जा पूर्ण राज्य से घटकर केंद्रशासित प्रदेश रह जाना था। लेकिन इसे संयोग कहें या कुछ और, चुनाव निष्पक्षता के मामले में (अपेक्षाकृत भयमुक्त माहौल में) कश्मीर में शेष भारत में सबसे बेहतरीन नमूना रहा। यदि सच में नया कश्मीर चाहिए और इस माहौल को आगे बढ़ाना और बनाए रखना है तो सही वक्त यही है और इसके लिए विधानसभा चुनाव भी इसी तत्परता से करवाए जाएं। जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की जड़ें विरल रही हैं। वर्ष 1950 और 60 के दशक में, जम्मू में करवाए गए छद्म चुनावों को 1947 में दिए गए भरोसे के 'विश्वासघात' की तरह देखा जाता था। वर्ष 1977 के चुनाव में, जो कि आजादी के बाद से, इस भूतपूर्व सूबे का सबसे साफ-सुथरा चुनाव था, विश्वास एवं स्वीकार्यता का प्रतीक बना। वर्ष 1987 में हुआ चुनाव न तो मुक्त था, न ही निष्पक्ष, इसने दशकों तक चलने वाले आतंकवाद की नींव डाली। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में वर्ष 2002 में फिर से काफी हद तक भरोसा बना जब केंद्र में प्रधानमंत्री वाजपेयी की सरकार थी और जनता अपने मतपत्र के जरिए सूबे के तत्कालीन सत्ताधारियों को हटा पाई।

लेकिन वह दिन सच में लद चुके हैं, जब 1950 के दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू के बार-बार कहने पर, तत्कालीन 'वजीर-ए-आज़म' बख्शी गुलाम मोहम्मद कुछ सीटें अपने

विरोधियों के लिए छोड़ने पर राजी हुए थे, ताकि और कुछ नहीं तो जनता की नजरों में चुनावों की विश्वसनीयता बनी रहे। आज, जम्मू-कश्मीर के अधिकांश मतदाता मानते हैं कि चुनाव निष्पक्ष और मुक्त रहे और यह मौजूदा परिस्थिति में अंतर ला सकता है। यह मतदाता वह है जिसे विश्वस्तरीय प्रशासन, आधारभूत ढांचा, शिक्षा एवं रोजगार में नए अवसरों के अलावा वर्तमान में लागू कठोर कानूनों के शिकंजे में रहने की मजबूरी से हटकर रोजाना की जिंदगी में इज्जत से विचरने की चाहत है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि अपनी भूमि में अलगाववाद की भावना न पनपे। राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो अगस्त, 1953 में शेख अब्दुल्ला जो कि उस वक्त सूबे के सबसे कद्दावर नेता थे, एक दिन जब गुलमर्ग में छुट्टियां मना रहे थे तो पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण दास ठाकुर ने सूचित किया उनको यानी जम्मू-कश्मीर के 'प्रधानमंत्री' (उस वक्त यही पदनाम था) पद से पदच्युत कर दिया गया है और नजरबंद करने के हुक्म हैं। पलटकर उन्होंने गरजते हुए कहा यह आदेश किसने दिया है? उस वक्त तक शेख अब्दुल्ला को यकीन था कि तीन मूर्ति भवन में रहने वाले उनके मित्र नेहरू उन्हें कभी धोखा नहीं देंगे। अधीक्षक ठाकुर ने 'सदर-ए-रियासत' कर्ण सिंह के हस्ताक्षर वाला फरमान दिखाया, जो उस वक्त अपने पिता महाराजा हरि सिंह को मुम्बई में जलावतनी दिए जाने के बाद रियासत के किशोरवय 'राजा' थे। शेख अब्दुल्ला ने ही कर्ण सिंह को सूबे का मुखिया नियुक्त किया था और आज खुद उनके बनाए इस 'छोकरे' ने ही एक चिंदी भेजकर उनकी छुट्टी अलोकतांत्रिक ढंग से कर डाली!

यह आदेश स्वीकार करने से पहले शेख ने नमाज अदा की। शेख अब्दुल्ला, जो कि सूबे से सबसे लोकप्रिय नेता थे, अगले 22 साल सत्ता से बाहर रहे, जब तक कि उन्होंने 1975 में इंदिरा गांधी के साथ संधि को स्वीकार किया। इसमें कोई शक नहीं जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अनुमति न देने की बीमारी से खुद शेख अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी भी अछूती नहीं थी क्योंकि उन्होंने भी सूबे में किसी विपक्ष को पनपने का मौका शायद ही छोड़ा था। रणजीत सिंह पुरा में भड़काऊ भाषण, अमेरिकी राजनयिकों को डोरे डालना और जनसंघ के सबसे कद्दावर नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रीनगर में अपनी निगरानी में मरने देना जैसे काम उन्होंने किए। उनके बाद आए बख्शी, जिन्हें दिल्ली का वरदहस्त प्राप्त था।

सांस्कृतिक चेतना से तालमेल हो मशीनी मेधा का

सुरेश सेठ

नया भारत तेजी से डिजिटल हो गया। इंटरनेट की ताकत का इस्तेमाल करने में भारत दुनिया में किसी देश से कम नहीं। साथ ही यहां भी रोबोटिक युग आ गया। लेकिन एक देश जिसकी आबादी दुनिया में सबसे अधिक हो, जिसमें आधी जनसंख्या युवा हो, और वह अपने लिए उचित नौकरी ही तलाश रही हो, उसके लिए रोबोट युग स्वीकार कितना समीचीन होगा? इसके साथ ही सेमीकंडक्टर और चिप युग भी है जिसके बारे में खबरें हैं कि पंगु दिमाग वाले भी चिप लगाकर शतरंज खेल सकते हैं। चिप के अलावा चैटजीपीटी भी शुरू हो गया। चैटजीपीटी का एक चोर रास्ता डीपफेक भी शुरू हो गया जिसमें लोगों की रुचि हो गई क्योंकि इसके जरिये किसी के मुंह से कोई भी शब्द कहलवा लें। इसे ठगी के नये-नये तरीकों में सम्मिलन कर लिया। इधर कृत्रिम मेधा (एआई) में चैटजीपीटी में 4-ओ लांच हो गया है।

एआई का यह नया मॉडल है जो बहुत तेज है। आवाज, फोटो और वीडियो इनपुट पर एकदम प्रतिक्रिया देता है। इंसानों जैसे इमोशन के साथ जवाब देता है। पुराने दोस्तों की तरह आपकी सारी बातें याद रखता है। एआई के नये मॉडल वाली 'चैटजीपीटी' से बात करो तो वह बहुत जीवंत और पूरी भाव-भंगिमा के साथ जवाब देता है। टोको, तो भी चालाकी से बात जारी रखता है। भावुकता और संवेदना गायब हो गये। निजी जिंदगी पर इसे हावी होने दे रहे हैं। रोजमर्रा की जरूरतों से लेकर बच्चों से जुड़ी बातों का भी फैसला जीपीटी से हो रहा है। इस वर्ष दुनिया के बहुत से देशों में चुनाव होने जा रहे हैं। चैटजीपीटी के नये मॉडल से उत्तेजनापूर्ण भाषणों के डैमो आएंगे और नयी बात, भावुकता भरी बातें भी की जा सकेंगी। यह दीगर बात है कि ये बातें वास्तविकता के धरातल से नहीं उठेंगी। आम लोगों के दुख-दर्द की प्रतिक्रिया को समेटकर एकदम से जवाब नहीं देंगी, केवल यांत्रिक होंगी। ऐसी यांत्रिकता से जीवन की गति तेज तो हो जाती है लेकिन इसमें न गहराई आती है, न भावुकता के नये आयाम खुलते हैं। भारत में सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जागृत करने की जो कोशिश हो रही है, यांत्रिकता से वह भी नहीं होती है। लेकिन फिर भी भारत एआई के बाजार में बाकी देशों से पीछे नहीं रहना चाहता है।

भारत में एआई का बाजार 25 से 35 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2027 तक हमारे देश में इस पर तीन गुणा खर्च बढ़कर 41,707 करोड़ रुपये हो जाएगा। यह खर्च बढ़ेगा क्योंकि इसकी प्रौद्योगिकी, यंत्रों और उपकरणों में बड़ा निवेश होगा। बेशक एआई से जुड़ी नई नौकरियां बड़े शहरों तक पहुंच जाएंगी। एआई के नये प्लेटफार्म जयपुर, आगरा, ग्वालियर, हरिद्वार, जबलपुर, जोधपुर, भोपाल और बीकानेर बनेंगे, महानगर तो होंगे ही। अब चैटजीपीटी मुफ्त भी मिलेगी और शुल्क के साथ भी। 50 भाषाओं में ट्रांसलेशन करेगी। जीपीटी 4-ओ इससे पहले प्रचलित जीपीटी 4-टर्बो से दोगुनी तेजी से काम करेगी। इसकी कीमत भी आधी होगी। जहां तक कृत्रिम मेधा के इस युग में बड़े समृद्ध देशों के मुकाबले में किफायत का संबंध है, भारत के लिए यह नई बात नहीं क्योंकि अंतरिक्ष अभियानों में भी हमारी किफायत जगजाहिर है। दो-तीन वर्षों में भारत को हम दुनिया की तीसरी बड़ी शक्ति बना देना चाहते हैं।

इसलिए डिजिटल युग में कृत्रिम मेधा और रोबोटिक्स का इस्तेमाल उसे नयी ताकत देगा। लेकिन भारत जैसे देश के लिए इसके रास्ते में आने वाली कठिनाइयां भी कम नहीं। उनका निराकरण भी जरूरी है। पहली कठिनाई है कि अगर देश में एआई को जीवन जीने का नया ढंग बना दिया जाएगा तो उसके लिए ऊर्जा की बहुत आवश्यकता होगी। सोलर एनर्जी की बहुत बातें होती हैं लेकिन हकीकत में अभी हम कोयले से ही अतिरिक्त विद्युत उत्पादित करने में विश्वास करते हैं। पॉवरकट जिंदगी का हिस्सा बन गया है और सामान्य उत्पादन के लिए ही विद्युत पूरी नहीं पड़ती तो क्या ऐसे में कृत्रिम मेधा के नये मॉडल अपनाकर अपनी विद्युत क्षमता पर और भार डालना जायज है?

दूसरा बिंदु यह कि जो नया चिप, रोबोट, सेमीकंडक्टर युग हम ला रहे हैं, वह महानगरों में कुछ नौकरियां जरूर पैदा करेगा लेकिन उन नौकरियों के लिए विशिष्ट प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी। क्या यह ट्रेनिंग देने के लिए हमने प्रशिक्षण संस्थान तैयार कर लिए हैं? इसके अलावा, इंसानी दिमाग और भाव प्रवणता का विकल्प क्या कृत्रिम मेधा हो सकती है? मां का प्यार, प्रेमिका का रोमांस और बहन का स्नेह कृत्रिम मेधा कभी नहीं दे सकती। ऐसे में जरूरत निश्चित स्तर के संतुलन की है। कृत्रिम मेधा का विकास अगर व्यावसायिक प्रगति तक के लिए सीमित कर दिया जाता और भावुकता व संबंधों की संवेदना को मशीनी तेवर न दिया जाता तो शायद इस देश की आबोहवा या माहौल वही बना रहता जिसमें से वह सांस्कृतिक चेतना उपजती है जिसके चलते इस देश की विश्व में एक अलग छवि है। दरअसल विश्व गुरु या मार्गदर्शक हो जाना कृत्रिम मेधा से संभव नहीं, इसके लिए मौलिक रास्ते अपनाने होंगे। इंसान के विशिष्ट गुणों के सहारे ही हम आगे बढ़ सकते हैं, केवल मशीनी आदमियों के सहारे नहीं।

थोल पक्षी अभयारण्य

अहमदाबाद के पास स्थित शानदार पर्यटनों स्थलों में से एक यह स्थान लगभग 7 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला है। यहां एक साथ ढेरों पक्षियों को देख सकते हैं। अहमदाबाद से एक घंटे की ड्राइव करके यहां पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक सुंदरता के बीच शांत माहौल में रहने के लिए यहां पहुंच सकते हैं। यहां ताजे पानी की झील भी है, जिसके किनारे बैठ कर सुकून को महसूस कर सकते हैं। इसके अलावा मरीन नेशनल पार्क भी जा सकते हैं।

जाजारी झरना

गर्मियों में पानी से खेलने में बहुत आनंद महसूस होता है। इस मौसम में बच्चे वाटर पार्क जाने की जिद करते हैं लेकिन हर महीने उन्हें वॉटर पार्क ले जाना खर्चीला हो सकता है। ऐसे में बच्चों को अहमदाबाद के पास स्थित जाजारी झरना घुमाने ले जा सकते हैं। यह जगह अहमदाबाद से महज 3 घंटे की दूरी पर है, जहां ड्राइव करके आसानी से पहुंचा जा सकता है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय संग्रहालय

अहमदाबाद के साही बाग में मोती साही महल के परिसर में स्थित यह संग्रहालय स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभ भाई पटेल को समर्पित है। यह संग्रहालय खूबसूरत बगीचे से घिरा हुआ है। इस संग्रहालय में भारतीय राष्ट्र आंदोलन की कई तस्वीरे और वस्तुएं रखी गई हैं। दूर-दूर से पर्यटक इस संग्रहालय को देखने के लिए आते हैं।

सापुतारा

गुजरात का एकमात्र हिल स्टेशन सापुतारा है। जहां छुट्टियों में परिवार के साथ घूमने का एक विकल्प हो सकता है। सापुतारा डांग जिले में स्थित है। रोमांचक गतिविधियों का शौक रखने वालों को यह जगह जरूर पसंद आएगी। यहां हरे भरे जंगल, पहाड़, झरना, सापुतारा झील और हटगढ़ किला घूमने जा सकते हैं।

कच्छ का रण

भारत में वैसे तो कई रेगिस्तान हैं लेकिन सबसे बड़ा सफेद नमक का रेगिस्तान सिर्फ गुजरात में स्थित कच्छ का रण ही है। गर्मियों में किसी रेगिस्तान में जाने का विचार ही पसीना छुड़ा देने जैसा लगे लेकिन यह जगह सिर्फ सफेद रेत से अधिक है, खासकर जब आप शाम के वक्त यहां पहुंचे। शाम में यहां से सूर्यास्त का नजारा बहुत ही आश्चर्यजनक दृश्य का अनुभव कराता है। गर्मियों में यहां जाना बेहतर विकल्प हो सकता है।

गर्मियों में घूमने के लिए जाएं अहमदाबाद

गुजरात के किसी शहर में रहते हैं तो यहां कि झुलसा देने वाली गर्मी में गर्मियों की छुट्टी मनाने के लिए किसी ऐसी जगह का चयन करे जो ठंडक का अहसास कराने वाली हो। चुभती जलती गर्मी का मौसम आया। ये पंक्ति आपने टीवी विज्ञापन में सुनी होगी और गर्मी आते ही महसूस भी की होगी। इस मौसम में सूरज की तपन अधिक बढ़ जाती है। ऐसे में न घर से बाहर निकलने का मन तो नहीं करता, लेकिन गर्मियों की छुट्टियां घर में बिताना भी नहीं चाहते हैं। गर्मियों की छुट्टियों में परिवार, बच्चों या दोस्तों के साथ घूमने जा सकते हैं। अहमदाबाद गुजरात का सबसे बड़ा शहर है। जहां देश-विदेश से टूरिस्ट आते हैं। अहमदाबाद में कई लोकप्रिय उद्यान हैं जिन्हें देखने के लिए पर्यटक यहां आते हैं। इनमें लॉ गार्डन, बाल वाटिका और विक्टोरिया गार्डन एवं कमला नेहरू प्राणी उद्यान शामिल हैं। यहां पर्यटकों के देखने के लिए कई झीलें भी हैं जिनमें मणिनगर में स्थित मानव निर्मित कांकरिया झील सबसे बड़ी है।

हंसना मना है

एक लड़की का फोन टॉयलेट में गिर गया। टॉयलेट से जिन्न प्रकट हुआ.. जिन्न ने लड़की को गोल्ड का फोन दिया और कहा ये लो तुम्हारा फोन, लड़की ने कुल्हाड़ वाली कहानी सुन रखी थी। इसलिए ईमानदारी का परिचय देते हुए कहा- ये सोने का फोन मेरा नहीं है। जिन्न-पगली रुलाएगी क्या? धो के देख तेरा ही है।

राजू पहाड़ों पर पैराशूट बेच रहा था, ग्राहक- अगर पैराशूट नहीं खुला तो? राजू- तो आपके पूरे पैसे वापिस।

पति - तुम मुझे दो ऐसी बातें बोलो, जिनमें से एक को सुनकर मैं खुश हो जाऊं और दूसरी को सुनकर नाराज हो जाऊं, पत्नी - तुम मेरी जिंदगी हो और दूसरी बात लानत है, ऐसी जिंदगी पर।

गर्लफ्रेंड- मैं अपना पर्स घर पर भूल आई, मुझे 1000 रुपये की जरूरत है। बॉयफ्रेंड- कर दी न छोटी बात, पगली यह ले 10 रुपये। अभी रिक्शा करके घर जा और पर्स ले आ। गर्लफ्रेंड बेहोश।

डॉक्टर- यह सब कैसे हुआ? घायल मरीज- एक लड़की ने मेरी टांग पर गाड़ी चढ़ा दी। डॉक्टर- सड़क से दूर, फुटपाथ पर चलना चाहिए था न, घायल मरीज- मैं तो गार्डन में लेटा हुआ था।

कहानी | लक्ष्य पर ध्यान

बात उन दिनों की है जब स्वामी विदेश यात्रा पर गए थे। वहां उनके आदर-सत्कार के लिए कई लोग आए। उनमें से कुछ लोगों ने स्वामी से साथ हाथ मिलाना चाहा और कुछ ने अंग्रेजी में उनसे 'हेलो' कहा। स्वामी विवेकानंद ने जवाब में हाथ जोड़ते हुए सबको नमस्कार कहा। यह देखकर कुछ लोगों ने सोचा कि स्वामी को अंग्रेजी नहीं आती है, इसलिए वो जवाब में नमस्ते कह रहे हैं। ऐसा सोचकर भीड़ में से एक व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से हिंदी में पूछा कि आप कैसे हैं? हिंदी में सवाल सुनकर स्वामी विवेकानंद मुस्कुराए और उसे इंग्लिश में जवाब दिया, आई एम फाइन, थैंक यूं। स्वामी विवेकानंद का अंग्रेजी में जवाब सुनकर वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। लोगों के मन में हुआ कि जब इनसे अंग्रेजी में सवाल किया गया तब हिंदी में जवाब मिला और फिर हिंदी में बात करने पर इंग्लिश में जवाब मिला। आखिर ऐसा क्यों हुआ। तभी एक व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से यह सवाल पूछ ही लिया। इसका जवाब देते हुए स्वामी विवेकानंद ने बड़ी ही विनम्रता से कहा कि जब आप लोगों ने अंग्रेजी में बात करके अपनी भाषा को आदर दिया, तब मैंने अपनी भाषा को मां मानकर उनका सम्मान करते हुए हिंदी में जवाब दिया। स्वामी विवेकानंद की इस बात को सुनकर वहां मौजूद सारे विदेशी हैरान रह गए और तभी से हिंदी भाषा को पूरे विश्व में सम्मान मिलने लगा। इस किस्से से स्वामी विवेकानंद का अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति प्यार और आदर झलकता है।

कहानी की सीख- हमेशा अपनी राष्ट्र भाषा को सम्मान देना और उस पर गर्व महसूस करना चाहिए। साथ ही अन्य भाषाओं का भी इतना ज्ञान होना जरूरी है कि हम सामने वाले की बात को समझ सके।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी।

मिथुन व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

सिंह व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा।

कन्या संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें।

तुला विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृश्चिक प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी।

धनु कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रमाद न करें।

मकर व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। प्रमाद न करें।

कुम्भ घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी। अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। कर्ज लेना पड़ सकता है।

मीन हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें। नकारात्मकता रहेगी। अकारण क्रोध होगा। फालतू खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

पंचायत-3 में शूटिंग के दौरान घर बन गया था : नीना गुप्ता

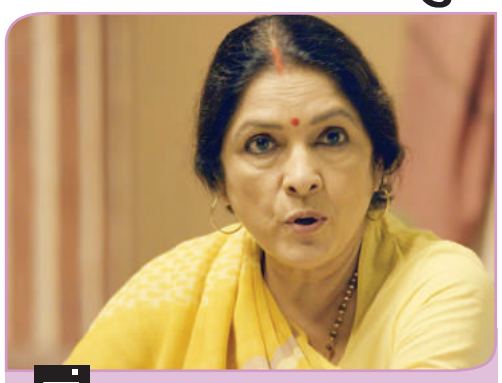

पंचायत सीरीज के फैंस के बीच नए सीजन सीजन को लेकर काफी एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है। शो के पहले दो सीजन काफी पसंद किये गये थे, इसलिए दर्शकों को तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार है। सीरीज में नीना गुप्ता और रघुबीर यादव की जोड़ी फिर से देखने को मिलने वाली है। इस बीच नीना गुप्ता ने शूटिंग से जुड़े एक किस्से का खुलासा किया है जिसके चलते मेकर्स को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा था। सीरीज में मंजू देवी का किरदार निभा रहीं नीना गुप्ता ने मीडिया के साथ बातचीत के दौरान अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया कि दो साल के गैप की वजह से उन्हें कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। नीना गुप्ता ने बताया कि जिस घर में शूटिंग होती थी, वहां मकान मालिक ने कंस्ट्रक्शन करवा दिया था। माकान मालिक को लग रहा था कि इससे घर स्क्रीन पर और भी खूबसूरत लगेगा। हालांकि, बाद में मेकर्स ने जब उन्हें समझाया कि इससे शो की कॉन्टिन्यूटी टूटती है तो बात उनकी समझ में आ गई थी। नीना गुप्ता ने आगे बताया कि सीरीज के आगे बढ़ने के साथ उनके ऊपर प्रेशर भी बढ़ता जा रहा था। उन्होंने कहा कि जब वो लोग पहले सीजन की शूटिंग कर रहे थे, उस समय उन पर कोई जोर नहीं था। बस शूटिंग करनी थी। सीजन 1 के हिट हो जाने के बाद अच्छा परफॉर्म करने का प्रेशर बढ़ गया, क्योंकि उन्हें बीते पिछले 5 सालों में दर्शकों की अपेक्षा और उनकी उम्मीदों पर भी खरा उतरना था। दीपक कुमार मिश्रा निर्देशित पंचायत का पहला सीजन 2020 में रिलीज हुआ था, जबकि दूसरा सीजन 2022 में आया था। अब इसके दो साल बाद तीसरा सीजन आ रहा है। पिछला सीजन एक बहुत ही इमोशनल नोट पर खत्म हुआ था, जिसने फैंस को रुलाकर रख दिया था। पंचायत के दोनों सीजन की कहानी अलग-अलग थी। अब दर्शकों के मन में तीसरे पार्ट को लेकर खास उत्साह है। ट्रेलर को देखकर कहा जा सकता है कि इस सीजन की कहानी सचिव जी के ट्रांसफर और बनराकस यानी भूषण शर्मा और प्रधान जी के बीच की तीखी नोक-झोंक से संबंधित हो सकती है। इसके अलावा सचिव जी और पिंकी के बीच प्यार का ट्विस्ट भी देखने की उम्मीद की जा रही है।

मैंने आज तक बॉलीवुड में कभी ऑडिशन नहीं दिया

भारतीय सिनेमा के उदय के बारे में खुलकर बातें करती नजर आईं दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में अपनी एक अलग पहचान रखती हैं। उन्होंने भारतीय सिनेमा के अलावा अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा में भी काम किया है। हाल ही में दीपिका दुनिया भर में भारतीय सिनेमा के उदय के बारे में खुलकर बातें करती नजर आईं।

हाल ही में हुए कान्स 2024 में भारतीय फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट ने ग्रैंड प्रिक्स पुरस्कार जीता है

बॉलीवुड | मसाला

दीपिका पादुकोण ने पिछले दिनों कहा था, ऐसा नहीं है कि हम पहले अच्छी फिल्में नहीं बनाते थे। हम हमेशा से अच्छी कहानियों पर काम करते आए हैं। हां ये बात और है कि अब पश्चिमी जगत उदारता के साथ हमारे काम को देख रहा है।

हाल ही में हुए कान्स 2024 में भारतीय फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट ने ग्रैंड प्रिक्स पुरस्कार जीता है। इस पुरस्कार के जीतने के बाद दीपिका का दिया हुआ यह बयान सामयिक हो गया है। दीपिका आगे कहती हैं, मुझे नहीं लगता है कि हमने सिनेमा कोई खास बदलाव किया है। हम पहले भी दिलचस्प कहानियों पर काम करते थे और अब भी कर रहे हैं। दीपिका पादुकोण बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक की अपनी यात्रा के बारे में बातें करते हुए कहती हैं, मैंने बॉलीवुड में कभी भी अपनी किसी फिल्म के लिए ऑडिशन नहीं दिया था। मैंने सेट पर जाकर ही सबकुछ सीखा है। हां, हॉलीवुड के फिल्म के लिए जरूर मैंने ऑडिशन दिए हैं। दीपिका पादुकोण अपनी अभिनय क्षमता के बारे में जब बात करती हैं तब बताती हैं कि वे कभी भी कहीं किसी एक्टिंग स्कूल में नहीं गई हैं। उन्होंने सब कुछ खुद से सीखा है। दीपिका ने अभिनय के लिए कोई कोर्स या ट्रेनिंग नहीं ली है।

अपनी फ्लॉप फिल्मों पर जान्हवी ने तोड़ी चुप्पी

जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। जान्हवी इस फिल्म को प्रमोट करने का एक भी मौका नहीं छोड़ रही हैं। हालांकि, अभी तक अगर अभिनेत्री की फिल्मों पर नजर डालें तो जान्हवी की फिल्मों का बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड कुछ खास नहीं रहा है। अब जान्हवी ने अपनी फ्लॉप फिल्मों को लेकर चुप्पी तोड़ी है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

राजकुमार राव के साथ अपनी आगामी प्रेम कहानी मिस्टर एंड मिसेज माही में क्रिकेटर महिमा की भूमिका निभाने वाली जान्हवी कपूर का दावा है कि यह कोई स्पोर्ट्स फिल्म नहीं है। अभिनेत्री ने अपनी बॉक्स ऑफिस असफलताओं, अपने ओटीटी फैनबेस के बारे में खुलकर बात की है।

इंटरव्यू में अभिनेत्री से पूछा गया कि आपको हर बार अलग-अलग भूमिकाएं चुनने के लिए क्या प्रेरित करता है? इस पर जान्हवी ने कहा, मैं अपने काम के लिए लगातार मान्यता चाहती हूं। मेरी आखिरी हिट फिल्म मेरी डेब्यू फिल्म धड़क थी। रूही महामारी के दौरान रिलीज हुई थी, लेकिन चूंकि हमने 50 प्रतिशत क्षमता के साथ रिलीज किया था। इसलिए यह उस समय के लिए एक सफलता थी। जब तक मेरी फिल्मों को अच्छे बॉक्स ऑफिस नंबर नहीं मिलेंगे, तब तक मैं नहीं मानूंगी कि मैं अच्छा कर रही हूं। जान्हवी से आगे पूछा गया कि क्या आपने मिस्टर एंड मिसेज माही को एक खेल फिल्म के तौर पर साइन किया था? इस पर अभिनेत्री ने कहा, नहीं, मुझे नहीं लगता कि ये क्रिकेट बेस्ड फिल्म है।

अजब-गजब | यहां बने होटल के कमरे का 1 दिन का किराया 4 लाख रुपए

ये है देश का दूसरा सबसे बड़ा राजमहल

उदयपुर।उदयपुर शहर अपनी नैसर्गिक खूबसूरती, झीलों और शैल शिखरों के लिए प्रसिद्ध है। यहां के भव्य महलों के प्रति लोगों में खास आकर्षण है। यहां तमाम महल अब लग्जरी होटलों में तब्दील हो चुके हैं जो बॉलीवुड के लोगों के लिए अब मैरिज डेस्टिनेशन बन चुके हैं। इसी में से एक सबसे भव्य है सिटी पैलेस। इसके प्रति लोगों में गजब का क्रेज है। ये दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा राजमहल है।

उदयपुर का किले नुमा भव्य महल देश दुनिया में अपनी खास पहचान बनाए हुए है। नाम है सिटी पैलेस। इसकी प्रसिद्धि देश दुनिया में है। इस पैलेस की नींव उदयपुर के तत्कालीन महाराणा उदय सिंह ने रखी थी। इसे देखने रोजाना हजारों पर्यटक यहां पहुंचते हैं। आज भी इस किले में राज परिवार के सदस्य निवास करते हैं। उदयपुर का सिटी पैलेस दुनिया का दूसरा बड़ा राजमहल है।

दरअसल उदयपुर का सिटी पैलेस विभिन्न भवनों का समूह है। यहां पर अलग-अलग भवन बने हुए हैं जहां पर राजा अपने काम करते थे। सिटी पैलेस बनाने में करीब 22 राजाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सबने अपने अपने अंदाज से इस महल को आकार दिया। यही वजह है ये राजमहल इतना भव्य बन पाया। इसे देखने देश-दुनिया के कई पर्यटक यहां पहुंचते हैं। सिटी पैलेस के शंभु निवास में आज भी महाराणाओं के वंशज रहते हैं। लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ और उनके परिवार के सदस्य यहां रह रहे हैं।

अगर आप यहां पर रुकना चाहते हैं तो रुक भी सकते हैं। सिटी पैलेस के एक हिस्से में फतेह प्रकाश होटल बनाई गई है। इसे यहां का राजपरिवार चलाता है। इस होटल में कई विदेशी मेहमान ठहरना पसंद करते हैं। यहां पर राज शाही सुविधाओं के साथ ही कई लग्जरी सुविधाएं भी आपको मिलेंगी। यहां पर आप रहकर राजा और रानी जैसा अनुभव कर सकते हैं।उदयपुर शहर के सिटी पैलेस में स्थित इस खास होटल के किराए की बात की जाए, तो इसमें रुकने का 1 दिन का किराया करीब 44000 से शुरू होता है, जो 4 लाख रुपए तक है। आपको सभी सुविधाओं से लैस कमरे मिलेंगे। यहां पर राजस्थानी खाने के साथ ही देश और दुनिया की खास चीजें भी आपको मिल जाएंगी। इस होटल के हर एक रूम से उदयपुर शहर का मनमोहक नजारा आपको देखने को मिलता है। वहीं यहां पर बने हुए छोटे-छोटे झरोखों को देख आप खास महसूस करने वाले हैं।

भव्य म्यूजियम- अगर आप मेवाड़ के इस सिटी पैलेस को देखना चाहते हैं तो आप इसके एक हिस्से में बने म्यूजियम को देख सकते हैं। यहां की एंट्री फीस 400 रुपए प्रति व्यक्ति है।यहां पर आज भी महाराणाओं की कई चीजें सलीके से संजोयी गयी हैं। महल में बने झरोखे, बरामदे, घुमावदार गलियां बेहद आकर्षक हैं। उदयपुर की भव्य सुंदरता भी आपको यहां देखने मिलेगी।

क्या इमरजेंसी ब्रेक लगाने पर ट्रेन पटरी से उतर जाती है? जवाब जानकर हो जाएंगे हैरान

रेल हादसों के बाद आपने अक्सर ये सुना होगा कि ट्रेन के ड्राइवर ने इमरजेंसी ब्रेक लगाया और ट्रेन फिसलकर पटरी से उतर गई। लेकिन क्या सच में ऐसा होता है? क्या सच में इमरजेंसी ब्रेक लगाने के बाद ट्रेन पटरी से उतर जाती है? अगर ऐसा है तो फिर इमरजेंसी ब्रेक लगाया ही क्यों जाता है? सोशल मीडिया प्लेटफार्म कोरा पर यही सवाल पूछा गया, जिसका जवाब भारतीय रेलवे के इंजीनियर रहे अनिमेष कुमार सिन्हा ने दिया है।

उन्होंने कहा, आम लोगों में यह गलत धारणा है कि इमरजेंसी ब्रेक मारने से ट्रेन पटरी से उतर जाती है। आइए जानते हैं ट्रेन रोकने का पूरा सिस्टम है क्या? इसके दो भाग हैं। पहला, सामान्यतया ब्रेक हर पहिये में होता है, जो पहले से आखिरी डिब्बे तक लगी होती है। इसमें कुछ वक्त लगता है। साथ ही, ब्रेक के सिलेंडर में हवा का दबाव जब उच्चतम हो जाता है, तो ब्रेक लगता है। दूसरा, ब्रेक लगाने के बाद भी कुछ वक्त लगता है। अब जानें इमरजेंसी ब्रेक लगाने में क्या अंतर आता है? इमरजेंसी ब्रेक के वक्त हर डिब्बे में लगे पहियों पर ब्रेकिंग फोर्स ज्यादा होता है और एक सा रहता है। यानी हर पहिये पर ब्रेक का दबाव एक बराबर होता है। इसलिए ट्रेन तुरंत रुक जाती है। रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एल एच बी मेंटेनेंस मैन्युअल के मुताबिक, इमरजेंसी ब्रेक में ट्रेन के फिसलने या पटरी से उतरने की कोई संभावना नहीं होती। अब सवाल है कि इमरजेंसी ब्रेक लगाने से ट्रेन कम दूरी में क्यों रुक जाती है? तो जान लीजिए कि जब ड्राइवर ब्रेक लगाता है तो सिग्नल इंजन से पहले डिब्बे में पहुंचता है, फिर दूसरे, तीसरे से होते हुए आखिरी डिब्बे तक जाता है। अगर सामान्य ब्रेकिंग में पहले डिब्बे से 24वें डिब्बे तक सिग्नल पहुंचने में 10 सेकंड लगते हैं तो इमरजेंसी ब्रेक में सिर्फ 4 सेकंड लगेगा। अगर ट्रेन 110 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड में चल रही है तो इमरजेंसी ब्रेक लगाने पर यह लगभग 260 मीटर पहले रुक जाएगी।

400 पार के दावे बकवास : खरगे

» बोले- भाजपा 200 सीट नहीं पाएगी

» अपनी नौकरी के बारे में सोचें अमित शाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 400 पार के दावे को बकवास करार देते हुए खारिज किया और कहा कि पार्टी लोकसभा चुनाव में 200 सीट के आंकड़े को पार नहीं कर पाएगी। खरगे ने अमृतसर में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले आम चुनाव की तुलना में भाजपा की सीट घट रही हैं जबकि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन बढ़त बना रहे हैं। भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का दावा है कि उसे लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीट मिलेंगी। भाजपा के इस दावे से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए खरगे ने कहा, जब आपकी (सीट) घट रही हैं और हमारी बढ़ रही हैं।

खरगे ने कहा कि भाजपा का तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना में अस्तित्व नहीं है और कर्नाटक में मजबूत नहीं है। उन्होंने सवाल किया, आप महाराष्ट्र में कमजोर हैं, जबकि पश्चिम बंगाल और ओडिशा में एक लड़ाई है। आपको 400 सीट कैसे मिल रही हैं? केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के इस तंज का जवाब देते हुए कि चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद खरगे अपनी नौकरी गंवा देंगे, खरगे ने कहा, मैं नौकरी करने के लिए राजनीति में नहीं आया हूं। मैं बचपन से ही (लोगों की) सेवा करने के लिए राजनीति में हूं, अब मुझे उतने ही साल हो गए हैं जितनी (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी की उम्र है। खरगे ने कहा कि शाह को चार जून के बाद अपनी खुद की नौकरी के बारे में सोचना चाहिए। खरगे ने कहा कि पंजाब में मादक पदार्थ की समस्या पंजाब के भविष्य के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और राज्य में युवा निराश हैं। कांग्रेस प्रमुख खरगे ने कहा, इसके कारण कानून-व्यवस्था की स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। किसान जमीन बेचकर अपने बच्चों को विदेश भेज रहे हैं, ताकि वे नशे की चपेट में न आएं। रोजगार के अवसर उपलब्ध नहीं होने के कारण हर कोई पलायन करने को मजबूर है।

भाजपा का सौ बकना, मनमोहन सिंह का एक करना बराबर

पंजाब मे आम आदमी पार्टी की सरकार है। इंडिया गठबंधन केघटककांग्रेस और आप पंजाब मे लोकसभा चुनाव अलग-अलग लड़ रहे है। खरगे ने प्रधानमंत्री और भाजपा पर उनकेदावो पर निशाना साधते हुए कहा, मोदी जी बोलते ज्यादा है और काम कम करते है। खरगे ने कहा, भाजपा का सौ बकना, मनमोहन सिंह का एककरना बराबर है। खरगे ने कहा किसिंह बिना कोई शेखी बघारे काम करते थे जबकिभाजपा छोटी-छोटी चीजो को लेकर भी बड़ा शोर मचाती है। उन्होने कहा, मनमोहन सिंह सरकार केदौरान 72,000 करोड़ रुपए का कृषि ऋण माफकिया गया था। खरगे ने कहा किकेंद्र ने सोमवार को 26 अधिकारियो का तबादला कर दिया, जबकिआदर्श आचार संहिता लागू थी। उन्होने केंद्र द्वारा सचिव स्तरीय फेरबदल का उल्लेख किया, जिसमे पांच नई नियुक्तियां की गईं। भाजपा केइस आरोप पर कि कांग्रेस केघोषणापत्र मे मुस्लिम लीग की छाप है, खरगे ने कहा, मोदी हमारे घोषणापत्र को देखते या पढ़ते नही है। मैने पहले भी कहा था किअगर उन्हे इसमे मुस्लिम लीग की छाप दिखे तो हम कांग्रेस कार्यालय से एकव्यक्ति उन्हे यह समझाने केलिए भेज देगे। उन्होने कहा किपार्टी का घोषणापत्र युवाओ, किसानो, मजदूरो और कमजोर वर्गो केलिए है।

विश्व गालीगुरू का सम्मान मोदी जी ने लिया : जयराम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वे आश्वस्त हैं कि उन्हें उन्हें गाली देने का अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 24 वर्षों से उनके साथ लगातार दुर्व्यवहार किया जा रहा है और अब वह गाली-पूफबन गए हैं। अब इसी को लेकर कांग्रेस की ओर से पलटवार किया गया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि खुद को गाली पूफ घोषित करके निवर्तमान प्रधान मंत्री ने आज अपने आप को एक और नयी उपाधि दी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि दूसरों को लगातार निर्लज्जता से गाली देने वाले और बेवजह और बेपरवाह हो कर खुलेआम बदनाम करने वाले निवर्तमान प्रधान मंत्री अब 56-इंच की छाती ठोंक कर एलान कर रहे हैं कि वह 'गाली पूफ' हो गये हैं। रमेश ने कहा कि काश उनके भाषण भी उतने ही गाली-पूफ होते जितने वह खुद अपने आप को बता रहे है। भाषा के स्तर को गिराने का उन्होंने इस देश में एक नया शर्मनाक कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि विश्वगालीगुरू का एकमात्र सम्मान आपको प्रदान करना अनुचित नहीं होगा।

राहुल गांधी पर सावरकर को बदनाम करने का आरोप प्रथम दृष्टया सच : पुणे पुलिस

» सावरकर के पोते सात्यकी अशोक सावरकर ने लगाया था अपमान करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। पुणे पुलिस ने कहा कि विनायक दामोदर सावरकर के पोते सात्यकी अशोक सावरकर द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल शिकायत में प्रथम दृष्टया सच्चाई है। शिकायत में कांग्रेस नेता लंदन में अपने भाषण में हिंदुत्व विचारक का अपमान करने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता सात्यकी अशोक सावरकर के वकील संग्राम कोल्हटकर ने कहा कि पुलिस ने न्यायिक मजिस्ट्रेट अक्षी जैन की अदालत में सौंपी गई एक जांच रिपोर्ट में यह जिक्र किया है।

कोल्हटकर ने कहा कि अदालत राहुल को नोटिस जारी कर पेश होने के लिए कह सकती है। सात्यकी ने कहा था कि उनके वकीलों ने पिछले वर्ष अप्रैल में भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 (मानहानि) के तहत शिकायत दर्ज कराने के लिए अदालत का रुख किया था। अदालत ने विश्रामबाग पुलिस से सात्यकी द्वारा प्रस्तुत सबूतों को सत्यापित कर 27 मई तक रिपोर्ट सौंपने को कहा था। शिकायत के मुताबिक, राहुल ने अपने भाषण में दावा किया कि वीडी सावरकर ने एक किताब में लिखा था कि उन्होंने और उनके पांच-छह दोस्तों ने एक बार एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी और उन्हें (सावरकर को) खुशी हुई थी।

आस्था ओल्ड हॉस्पिटल ने बड़ा मंगल पर वितरित की स्वास्थ्य सामग्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आस्था ओल्ड एज हॉस्पिटल एंड हॉस्पिस ने पहले बड़ा मंगल पर स्वास्थ्य संबंधी वस्तुओं के वितरण का कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस अनोखी पहल ने पारंपरिक प्रसाद को आवश्यक स्वास्थ्य वस्तुओं से बदल दिया, जिससे लोगों को काफी लाभ हुआ।

इस कार्यक्रम में 14 वॉकर, 6 व्हीलचेयर, 16 वॉकिंग स्टिक, 4 कमोड चेयर, 2 हीटिंग पैड, 5 रेस्पिरोमीटर और वयस्कों, परिष्ठों और बच्चों के लिए 428 कपड़े वितरित किये गये। लाभार्थियों में 147 पुरुष, 67 महिलाएं और बाकी बच्चे थे।

आतिशी को भेजे समन पर सियासी रार

» भाजपा व आप में वार-पलटवार

» जवाब तो देना ही पड़ेगा : बांसुरी स्वराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर आप विधायकों को तोड़ने का बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए दिल्ली बीजेपी मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर द्वारा दायर मानहानि मामले में आम आदमी पार्टी नेता आतिशी को तलब किया है। कोर्ट ने उन्हें 29 जून को कोर्ट में पेश होने के लिए समन भेजा है।

लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार बांसुरी स्वराज ने कहा कि कोर्ट ने आतिशी को आज समन भेजा है। उन्होंने 27 जनवरी को एक ट्वीट किया था और 2 अप्रैल को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके भाजपा पर बिना किसी तथ्य के आरोप लगाए थे कि भाजपा से इनको ऑफर मिला है। 29 जून को दोनों मामलों में उन्हें जवाब देना पड़ेगा। इससे पहले अप्रैल में भाजपा ने आतिशी को मानहानि का नोटिस जारी किया था, जब उन्होंने आरोप लगाया था कि उन पर पार्टी में शामिल होने या एक महीने के भीतर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तारी का सामना करने के लिए दबाव डाला गया था। आतिशी ने दावा किया कि ईडी उन्हें और अन्य आप नेताओं, जैसे कि सौरभ भारद्वाज, दुर्गेश पाठक और राघव चड्ढा को गिरफ्तार करने की योजना बना रही थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें सूचित किया गया था कि अगर उन्होंने भाजपा की मांगों का पालन नहीं किया तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अब आतिशी की गिरफ्तारी की रची जा रही साजिश : केजरीवाल

दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, मैंने पहले ही कहा था कि वे (केंद्र सरकार) अगली बार आतिशी को गिरफ्तार करेंगे। वे अब आतिशी की गिरफ्तारी की साजिश रच रहे हैं। यह पूरी तरह से तानाशाही है। झूठे मामलों में वे एक-एक करके आप के सभी नेताओं को गिरफ्तार कर रहे हैं। अगर मोदी जी दोबारा सत्ता में आए तो हर एक विपक्षी नेता को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भारत ने शुरू की टी-20 विश्वकप की तैयारी

» हार्दिक भी पहुंचे न्यूयॉर्क

» भारत का पहला मैच 5 जून को आयरलैंड से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयॉर्क। टी20 विश्व कप का आगाज दो जून (भारतीय समयानुसार) से होने जा रहा है। टीम इंडिया ने पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ अपने उद्घाटन मैच से पहले न्यूयॉर्क में ट्रेनिंग शुरू कर दी है। वेस्टइंडीज और अमेरिका की सह-मेजबानी में खेले जाने वाले इस विश्व कप का फाइनल 29 जून को खेला जाएगा। मेन इन ब्लू की टीम अपना एकमात्र वार्म-अप मैच एक जून को न्यूयॉर्क के नसाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी।

बुमराह और हार्दिक ने साझा की वार्मअप की तस्वीरें

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक ने इंस्टाग्राम पर वार्मअप की तस्वीरें साझा की हैं। बुमराह द्वारा शेयर किए गए पोस्ट में खुद बुमराह, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, ऑलराउंडर अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे और टी20 में नंबर एक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव दिखाई पड़ रहे हैं। वहीं, हार्दिक द्वारा शेयर किए गए पोस्ट में हार्दिक के अलावा शुभमन गिल, दुबे, द्रविड़ और अक्षर नजर आ रहे हैं।

वहीं, नताशा स्टैनकोविच से अनबन की खबरों के बीच टीम इंडिया के उपकप्तान हार्दिक पांड्या भी न्यूयॉर्क पहुंच गए हैं। बुमराह 2016 और 2021 टी20 विश्व कप खेल चुके हैं और इसके 10 मैचों में वह 22.54 की औसत और 21.0 के स्ट्राइक रेट से 11 विकेट ले चुके हैं। 10 रन देकर दो विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी रही है। इस तेज गेंदबाज ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में और पिछले साल हुए वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं, हार्दिक का फॉर्म टीम इंडिया के लिए जरूर चिंता का विषय है। वह आईपीएल में न तो बल्लेबाजी और न ही गेंदबाजी में कुछ कमाल दिखा पाए थे। 13 पारियों में हार्दिक ने 216 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 143.04 का रहा था। वहीं, गेंदबाजी में वह 11 विकेट ले पाए थे। 31 रन देकर तीन विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी रही थी।

सरकार बनते ही यूएपीए और सीएए कानून में करेंगे संशोधन: शशि थरूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य शशि थरूर ने कहा है कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही यूएपीए और सीएए कानून में संशोधन किया जाएगा। बिना अपराध के जनता को जेल के अंदर भेजा जाता है, जिससे लोगों को समय पर न्याय नहीं मिलता है। इस प्रकार के नागरिक विरोधी कानूनों को बदला जाएगा।

यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) और सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) कानून में कई कमियां हैं। प्रेसवार्ता में थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज संविधान को खतरे में डाल रहे हैं। इस बार कांग्रेस और इंडिया गठबंधन बहुत आगे निकल गई है। उन्होंने कहा कि इस बार हरियाणा में 5 से 7 सीटें, राजस्थान में 10 से 12, कर्नाटक में 12 से 15, केरल में 15 से 17, तेलंगाना में 10 से 12 सीटें कांग्रेस को मिलने जा रही हैं। इंडिया गठबंधन बिहार में तेजस्वी यादव के साथ आगे बढ़ रहा है। महाराष्ट्र में भी इंडिया गठबंधन को अच्छी सीटें मिल रही हैं। जो बहुमत भाजपा को 2019 में मिला था उसके उलट इस बार रिपोर्ट मिल रही है। मोदी ने 2014 में देश की जनता से कई वादे किए थे लेकिन एक भी पूरा नहीं कर पाए हैं। बेरोजगारी चरम पर है। किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था, आज किसान अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करने को मजबूर है।

भाजपा व आरएसएस का समर्थन आपस में हुआ कम

शशि थरूर ने कहा कि आजकल भाजपा और आरएसएस का समर्थन आपस में कम हो गया है। भाजपा और उसके नेता भी अब गौण हो गए हैं। सिर्फ पीएम मोदी ही सब कुछ बन गए हैं। भाजपा के नेता तो पीएम से सवाल करने से भी डरते हैं। उन्होंने कहा कि देश के 26 राजनीतिक दलों ने मिलकर इंडिया गठबंधन बनाया है। चार या पांच जून को सभी दल विचार-विर्मश करने के बाद देश के नए प्रधानमंत्री का चयन करेंगे।

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती पर एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन मामले में कार्यवाही, बोलीं- सच बोलने की मिल रही है सजा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में चुनाव आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी का आरोप लगाते हुए वोटिंग के दिन महबूबा मुफ्ती ने 25 मई को बिजबेहरा में धरना दिया था।

एफआईआर दर्ज होने पर महबूबा मुफ्ती की भी प्रतिक्रिया आई है। महबूबा मुफ्ती ने लिखा, एमसीसी का उल्लंघन करने के लिए मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज होना मज़ेदार है। सत्ता के सामने सच बोलने की कीमत पीडीपी को चुकानी पड़ी है। हमारा विरोध स्थानीय प्रशासन के साथ मिलीभगत करके मतदान से पहले पीडीपी के सैकड़ों पोलिंग एजेंटों और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने के खिलाफ था। महबूबा मुफ्ती ने लिखा, फिर भी संतुष्ट न होने पर उसी प्रशासन ने हमारे मतदाताओं को आतंकित करने और उन्हें वोट देने के अपने अधिकार का प्रयोग करने से रोकने के लिए पारंपरिक पीडीपी के गढ़ वाले क्षेत्रों में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू कर दिया। उल्टा चोर कोतवाल को डांटे।

शरजील इमाम को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली जमानत

» फिलहाल अभी जेल में ही रहना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने छात्र एक्टिविस्ट शरजील इमाम बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने बुधवार (29 मई) को जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में कथित तौर पर भड़काऊ भाषण दिए जाने से जुड़े राष्ट्रद्रोह और यूएपीए के मामले में जमानत दे दी।

हालांकि, अभी उन्हें जेल में ही रहना होगा। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस सुरेश कुमार और जस्टिस मनोज जैन ने उन्हें जमानत दी।

शरजील इमाम के खिलाफ दिल्ली दंगा मामले में केस दर्ज है, उन्हें इस केस में जमानत नहीं मिली है। ऐसे में उन्हें जेल में ही रहना होगा। शरजील इमाम ने मामले में अधिकतम सात साल की सजा में से आधी सजा काट लेने के आधार पर जमानत मांगी थी। इमाम की ओर से अधिवक्ता तालिब मुस्तफा और अहमद इब्राहिम ने पैरवी की।

मौसम की मार, प्रचंड गर्मी से उत्तर भारत में त्राहिमाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली/लखनऊ। आसमान से बरसती आग से उत्तर भारत उबलने लगा है। राजस्थान के चूरू में पारा 50 डिग्री सेल्सियस को भी पार कर गया है। अन्य शहरों में भी तापमान 48-49 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया है। दिल्ली में भी पारा 50 डिग्री को छूने की और है। वहीं, यूपी के झांसी में दिन का पारा 49 डिग्री रहा। आगरा में तापमान 48.6 और वाराणसी में 47.6 डिग्री रहा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, यूपी में मई माह में इतनी तपिश कभी नहीं रही। पहाड़ी राज्यों में भी गर्मी कहर ढा रही है। जम्मू-कश्मीर के जम्मू संभाग में पारा 43 डिग्री तक पहुंच गया है। इसके चलते स्कूलों में छुट्टी की घोषणा करनी पड़ी। हिमाचल के ऊना में पारा 44 डिग्री को पार कर चुका है। जयपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि मंगलवार को चूरू देश में सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 50.5 डिग्री दर्ज किया गया, जो इस सीजन में सबसे अधिक है।

चक्रवात से पूर्वोत्तर में हाहाकार, यूपी व दिल्ली में तापमान 50 डिग्री के पास

मौसम विभाग के मुताबिक, राजधानी के तीन केंद्रों पर तापमान 50 डिग्री के पास पहुंच गया। मुंगेशपुर व नरेला में अधिकतम तापमान 49.9 व नजफगढ़ में 49.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग ने कहा कि अभी कम से कम दो दिन प्रचंड गर्मी और लू से लोगों को राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि उत्तर पश्चिम भारत में बृहस्पतिवार को पश्चिमी विक्षोभ की स्थिति बनने की उम्मीद है, जिससे सप्ताहांत में इस क्षेत्र में बारिश हो सकती है। इससे तापमान में गिरावट आएगी।

असम, मिजोरम, नगालैंड और मेघालय में 27 की मौत

पूर्वोत्तर के राज्यों में बारिश और भूस्खलन के कारण कई लोगों की मौत हुई है। कई लापता हैं। ऐसे में संख्या बढ़ने की आशंका है। राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। असम में चक्रवात रेमल के बाद तेज हवा के साथ भारी बारिश होने से अलग-अलग घटनाओं में एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। जबकि 18 घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। त्रिपुरा में चक्रवात रेमल के बाद मूसलाधार बारिश और तूफान के कारण 746 लोग बेघर हो गए हैं। राज्य के एक मंत्री ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बिजली और कृषि क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है, जिससे कुल 10 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान होने का अनुमान है।

सामूहिक हत्याकांड से दहला मध्य प्रदेश

आदिवासी परिवार में 10 लोगों की सामूहिक हत्या

» छिंदवाड़ा में पहले आठ लोगों की कुल्हाड़ी से मारकर की हत्या, फिर आरोपी फांसी पर झूला, इलाके में हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छिंदवाड़ा। जिले की अंतिम सीमा में बसे आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के थाना माहुलझिर अंतर्गत ग्राम बोदलकछार में एक आदिवासी परिवार में 8 लोगों की सामूहिक हत्या कर दी गई है। परिवार के पुत्र ने कुल्हाड़ी मारकर हत्या की है। इसके पश्चात हत्यारे ने भी फांसी लगाकर स्वयं भी जीवन लीला समाप्त कर ली है।

हत्या करने का कारण पता नहीं चल सका है, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आदिवासी परिवार के एक युवक ने कुल्हाड़ी से अपने माता-पिता-पत्नी बच्चे और भाई सहित अपने परिवार के आठ लोगों की हत्या कर दी और हत्या करने के बाद स्वयं भी फांसी से झूल गया। घटना रात्रि दो-तीन बजे की बताई जा रही है माहुलझिर पुलिस मौके पर पंहुच चुकी है। पुलिस ने पूरे गांव को सील कर दिया है। छिंदवाड़ा से पुलिस अधीक्षक मौके के लिए रवाना हुए।

आरोपी ने सबसे पहले पत्नी को उतारा मौत के घाट

पुलिस के मुताबिक आरोपी की शादी बीते 21 मई को हुई थी और सबसे पहले उसने पत्नी को ही मौत के घाट उतारा आरोपी द्वारा फिर 55 वर्षीय मां, 35 वर्षीय भाई, 30 वर्षीय भाभी, 16 वर्षीय बहन, 5 वर्षीय भतीजी, 4 एवं डेड वर्षीय दो भतीजियों को कुल्हाड़ी मार के मौत के घाट उतार दिया पुलिस ने घटनास्थल से कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है।

हत्या का कारण नहीं आया सामने

आठ लोगों की हत्या के मामले में अब तक कारण का पता नहीं चला है। पुलिस के मुताबिक आरोपी मानसिक रूप से विक्षिप्त था और उसने कुल्हाड़ी लेकर माता-पिता पत्नी भाई बहन भतीजी सहित परिवार के आठ लोगों को मौत के घाट उतार दिया, घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी भी घर से थोड़ी दूर जाकर फांसी के फंदे में लटक गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।